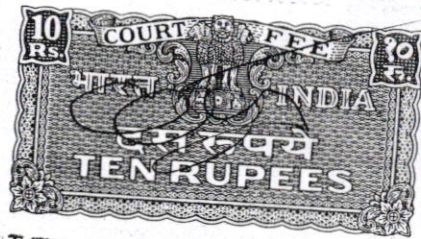


①

न्यायलय श्री मान् राज स्व मण्डल ग्वानियर म. प्र.



R-1454-II/2010

1- अम्बिका प्रसाद तनयश्री रामाका प्रसाद ब्रा. निवासी देवरा तह. म. प्र. सतना म. प्र.

2-- रामावतार अग्रवाल तनयश्री शिवरतनलाल अग्रवाल साकिन जैतवारा प. म. प्र. लाल, गुलाबचं न्द्र अग्रवाल, निवासी जैतवारा तह. बिरसिङ्गपुर जिला सतना म. प्र.

Ad. 0-10 3-20 P.m.

..... निगरानीकर्ता/आवेदन

बनाम

म. प्र. शासन

प्री. के. निवासी अधिआपठ....

..... गैर निगराकार /अनावेदन

14.10.10

अवर सचिव

राजस्व मण्डल म. प्र. ग्वानियर

निगरानी विरुद्ध आदेश आयु क्त महो. रीवासंशा...
रीवा के प्र. क्र. 2/निग./2009 /10 आदेशानि.
3.8.2010.

म. प्र. भू. रा. सं. 1959 की धारा 50 का. मा. 1

मा न्यवर,

अ- सरला देवी अग्रवाल पत्नी स्व. श्री रामावतार अग्रवाल।
ब- राघवेन्द्र अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रामावतार अग्रवाल।
स- राजेश कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रामावतार अग्रवाल।
द- रोहित अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रामावतार अग्रवाल समस्त निवासी- ग्राम तैतवारा
तहसील मझगवॉ, जिला सतना (म.प्र.)

म.प्र. विवरण
सतना
अ. वि. क.

6-2-10
6-2-10

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
आदेश पृष्ठ
भाग - अ

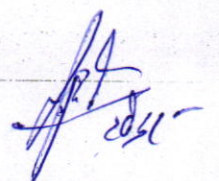
24

(212 नो)

निगरानी 1454-दो/2010

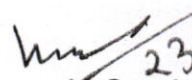
अम्बिका प्रसाद आदि विरुद्ध म0प्र0 शासन

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
23-7-2018	<p>उभय पक्ष के विद्वान अभिभाषकों द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2/ आवेदकगण द्वारा यह निगरानी म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत आयुक्त रीवा संभाग रीवा के प्रकरण क्रमांक 02/निगरानी/09-10 में पारित आदेश दिनांक 03-08-2010 के विरुद्ध इस न्यायालय में प्रस्तुत की गई है।</p> <p>3/ उभय पक्ष के विद्वान अभिभाषकों द्वारा प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अभिलेख का अवलोकन किया। अभिलेख के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रश्नाधीन भूमि शासकीय पट्टे की होकर आवेदक क्रमांक 1 अम्बिका प्रसाद को वारिसाना नामांतरण में प्राप्त हुई। आवेदक क्रमांक 1 अम्बिका प्रसाद द्वारा आवेदक क्रमांक 2 रामावतार अग्रवाल को प्रश्नाधीन भूमि का विक्रय किया जिसकी अधिकारिता आवेदक क्रमांक 1 को नहीं थी। आवेदक द्वारा भूमि विक्रय करने से पट्टे की शर्तों का उल्लंघन किया। राजस्व निरीक्षक ने नामांतरण किया तथा नायब तहसीलदार ने शासकीय पट्टेदार के स्थान पर आवेदक क्रमांक 2 को भूमिस्वामी दर्ज किया जिसकी अधिकारिता नायब तहसीलदार को नहीं थी। कलेक्टर ने उपरोक्त राजस्व निरीक्षक के आदेश एवं नायब तहसीलदार के आदेश को निरस्त कर भूमि पूर्ववत शासकीय दर्ज करने के आदेश दिये हैं। कलेक्टर के</p>	


20/11

उक्त आदेश को आयुक्त रीवा संभाग द्वारा स्थिर रखा गया है। दर्शित परिस्थितियों में कलेक्टर एवं आयुक्त का आदेश उचित होने से स्थिर रखा जाता है। निगरानी निरस्त की जाती है। आयुक्त रीवा संभाग रीवा का आदेश दिनांक 03-08-2010 स्थिर रखा जाता है।

पक्षकार सूचित हों। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।


(आर0 के मिश्रा)
सदस्य

23/7/18


2018